भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1729
मंगलवार, दिनांक 03 दिसम्बर, 2019 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>बायोमास ऊर्जा</u>

1729. श्री संजय सिंहः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) बायोमास ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की संभावनाएं क्या-क्या हैं;

(ख) सरकार द्वारा इसे बढ़ाने के लिए कौन-कौन से उपाय किए गए हैं; और

(ग) पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा उत्पादन करने हेतु बायोमास किस प्रकार जीवाश्म ईंधन का विकल्प हो सकता है?

उत्तर
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा तथा विद्युत और कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री आर. के. सिंह)

(क) भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर द्वारा वर्ष 2010-11 में कराए गए एक अध्ययन में प्रति वर्ष कृषि कचरे सहित करीब 120 से 150 मिलियन मीट्रिक टन सरप्लस बायोमास उपलब्ध होने का अनुमान लगाया गया था। यह करीब 18,000 मेगावाट विद्युत की संभाव्यता के अनुरूप है। इसके अलावा, देश की चीनी मिलों में खोई सह उत्पादन के जरिए 7000-8000 मेगावाट अतिरिक्त विद्युत का उत्पादन किया जा सकता है।

(ख) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की एक योजना है, जो चीनी मिलों और अन्य उद्योगों में बायोमास आधारित सह-उत्पादन के लिए सहायता प्रदान करती है (मार्च, 2020 तक)। योजना के तहत, बायोमास सह-उत्पादन परियोजनाओं के लिए सरप्लस निर्यात योग्य क्षमता की 25 लाख रु./मेगावाट और संस्थापित क्षमता की 50 लाख रु./मेगावाट की दर से केन्द्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान की जा रही है, जो प्रयुक्त ईंधन के प्रकार पर निर्भर करती है।

(ग) बायोमास ईंधन नवीकरणीय, कार्बनरहित और व्यापक तौर पर उपलब्ध रहता है। दहन, ताप अपघटन गैसीकरण (पायरोलिसिस गैसीफिकेशन) और बायो-मिथेनेशन जैसे विभिन्न ऐसे तरीके होते हैं, जिनके द्वारा पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा के उत्पादन के लिए बायोमास का प्रयोग किया जा सकता है।

*****